डी०पी०ओ० एवं सी०डी०पी०ओ० लीडरशिप डेव्लपमेंट कोर्स

ट्रेनिंग ऑफ ट्रैनर

सीखने के कोने

लर्निंग कॉर्नर यानि सीखने के कोने क्या हैं?

सीखने के कोने आंगनवाड़ी केंद्र में सुनिश्चित किये गए वे खेलने के स्थान हैं जिन्हें एक उद्देश्य के साथ व्यवस्थित किया जाता है।

आंगनवाड़ी केंद्र में चार सीखने के कोने हैं - **नाटक कोना, कला और शिल्प कोना, ब्लॉक कोना और पुस्तक कोना।**

प्रत्येक सीखने का कोना एक विशिष्ट विकास के क्षेत्र को संबोधित करता है, जिसका मुख्य लक्ष्य सामाजिक-भावनात्मक विकास करना है -

नाटक कोना ,कला और शिल्प कोने में **रचनात्मक और मोटर विकास।**

ब्लॉक कोने में संज्ञानात्मक विकास और **संख्यात्मक कौशल विकास**

पुस्तक कोने में **भाषा विकास और प्रारंभिक साक्षरता कौशल विकास**

आंगनवाड़ी केन्द्र में स्वतंत्र खेल के समय में सीखने के कोनों का उपयोग किया जाता है।

खेल और खोज-बीन/अन्वेषण सीखने के साधन हैं।

ई.सी.ई. की पेडोगौजी (शिक्षणशास्त्र) में सीखने के कोनों की भूमिका

1

निर्देशित गतिविधियों के दौरान विभिन्न अवधारणाएँ और विषयों (थीम) के बारे में सीखा जाता है

2

खेल और खोज-बीन (अन्वेषण)के माध्यम से सीखने के कोनों में सीखी गई अवधारणाओं को पहचानना या उपयोग करना

3

विभिन्न अवधारणाओं और विषयों (थीम) का सुदृढ़ीकरण

4

नये विचारों और अवधारणाओं की खोज और जांच

विकास के क्षेत्रों के समर्थन में सीखने के कोनों की भूमिका

सामाजिक-भावनात्मक विकास:

- सामाजिक संपर्क,सहानुभूति ,आत्म-नियमन(self-regulation) को बढ़ावा दें व संचार कौशल का निर्माण करें
- दूसरों के साथ साझा करने, अपनी बारी का इंतजार करने, नेतृत्व की भूमिका निभाने, खेल के दौरान निष्पक्षता प्रदर्शित करने और विवादों को सुलझाने जैसी सामाजिक कौशल विकसित करें।
- मौखिक या बिना बोले हुए संचार के माध्यम से विचारों, भावनाओं और आवश्यकताओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।

संज्ञानात्मक विकास:

- सीखने के कोनों में अन्वेषण और खोज-बीन बच्चे को समस्या-समाधान की रणनीति विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।
- गतिविधियाँ का अनुभवात्मक और स्वयं करके सीखा हुआ ज्ञान गतिविधि के कारण और प्रभाव को स्थापित करता है , जो आलोचनात्मक सोच(क्रिटिकल थिंकिंग) को बढ़ावा देने में मदद करता हैं और वैज्ञानिक खोज-बीन को प्रोत्साहित करता हैं।
- उनकी एकाग्रता और ध्यान अवधि का निर्माण होता है ।
- गणितीय और तार्किक तर्क क्षमतायें बढ़ती हैं।

विकास के क्षेत्रों के समर्थन में सीखने के कोनों की भूमिका

भाषा विकास:

- संचार कौशल का निर्माण होता है ।
- विचारों के आदान-प्रदान, निर्देश देने और प्रश्न पूछने के साथ संवाद और वार्तालाप को प्रोत्साहन मिलता है ।
- शब्दावली और संरचित वाक्य बनाने की क्षमता का विस्तार होता है ।
- विभिन्न दृष्टिकोणों व विचारों को सुनने व अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता देते हुए सुनने के कौशल को बढ़ाएँ।
- मौखिक, लिखित या चित्रित कहानियों का निर्माण प्रारंभिक साक्षरता कौशल को बढ़ावा देता है।
- पुस्तकों से जुड़ाव,अक्षरों की ध्वनियों और उनके प्रतीकों से परिचय प्रारंभिक साक्षरता कौशलों को प्रोत्साहित करता है । विचारों, सोच और कहानियों को क्रमबद्ध करने से उनकेअभिव्यक्त करने के कौशल में सुधार होता है तथा उनकी स्मरण शक्ति और समझने की क्षमता भी मजबूत होती है।

रचनात्मक विकास:

- रचनात्मकता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा मिलता है ।

शारीरिक विकास:

- हाथ-आँख समन्वय और निपुणता को प्रोत्साहित करके बढ़िया मोटर कौशल को बढ़ावा दें।
- भूमिका निभाना, नृत्य करना और अन्य गति-आधारित कार्य शरीर की बड़ी हरकतों और शारीरिक समन्वय को प्रोत्साहित करके लार्ज मोटर कौशल के विकास को बढ़ावा देते हैं।

एक आंगनवाड़ी केंद्र में सीखने के कोने

आंगनवाड़ी केन्द्र में चार सीखने के कोनों का उपयोग

आंगनवाड़ी केन्द्र में व्यवस्था

- कक्षा-कक्ष में बच्चों और आंगनवाड़ी कार्यकत्री के आसानी से आने-जाने के लिए (सुगम आवागमन) इन्हें आंगनवाड़ी केंद्र की दीवार के पास व्यवस्थित करना चाहिए।
- प्रत्येक कोने के बीच पर्याप्त दूरी होनी चाहिए।
- प्रत्येक कोने में संबंधित खेल सामग्री होनी चाहिए।

सरल उपयोग/पहुँच

- प्रत्येक कोने को उनके उपयोग के अनुसार सही ढंग से लेबल किया जाना चाहिए।
- Drama corner as नाटक का कोना
- Block corner as ब्लॉक कोना
- Art and craft corner as कला कोना
- Book corner as किताब का कोना
- सभी कोने बच्चों की आंखों के स्तर पर और पहुँच पर होने चाहिए ।

कब उपयोग किया जाए

- "दूसरे चक्र का समय" में **स्वतंत्र खेल का समय** होता है ।
- पहले 30 मिनट में 3-5 वर्ष के बच्चे सीखने के कोनों में भाग लेंगे और 5-6 वर्ष के बच्चे निर्देशित गतिविधियों में भाग लेंगे।
- अगले 30 मिनट में समूहों को रिवर्स कर दिया जाएगा।

आंगनवाड़ी केन्द्रों में शिक्षण कोनों की व्यवस्था

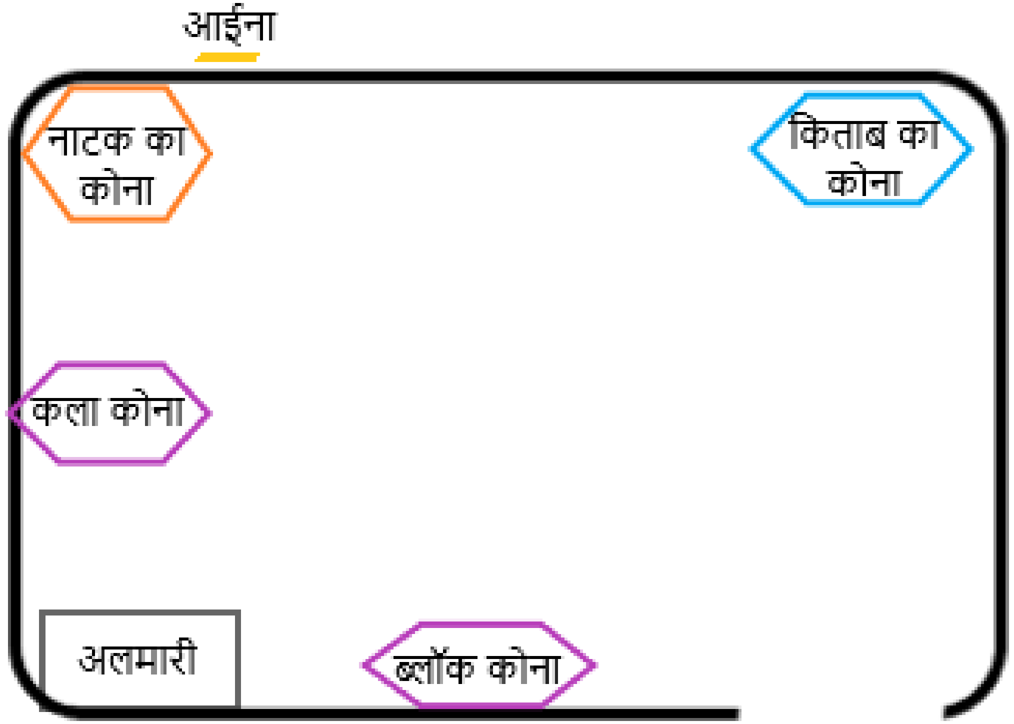

- सीखने के कोने कमरे के कोने नहीं हैं!!
- बच्चों और आंगनवाड़ी कार्यकत्री को कक्षा में आसानी से आने-जाने के लिए आंगनवाड़ी केंद्र की दीवारों के सामने रखा जाना चाहिए।
- प्रत्येक कोने के बीच पर्याप्त दूरी होनी चाहिए।
- प्रत्येक कोने में उपयुक्त खेल सामग्री होनी चाहिए।

एक आंगनवाड़ी केंद्र में सीखने के कोने

सीखने के कोनों को खेल सामग्री से परिपूर्ण करना – पी.एस.ई. किट और स्थानीय रूप से उपलब्ध/बनाई गई सामग्री का उपयोग

कोने	पी.एस.ई. किट	स्थानीय रूप से उपलब्ध/बनाई गई सामग्री
ब्लाक कोना	• बिल्डिंग ब्लॉक्स/लिंकर्स • आकार वाली पहेलियाँ • लेसिंग बोर्ड • आकार टेंग्राम • एबेकस • पहेलियाँ (Puzzles) - विपरीत • 4 स्टेप सीक्वेंसिंग कार्ड • स्टैकिंग क्यूब्स • मोती	• पुरानी कहानियों या चित्र पुस्तकों से बने 3 टुकड़े और 4 टुकड़े वाली चित्र पहेलियाँ • क्रमबद्धता (सीरियेशन) के कार्ड - बड़े से छोटे, पास से दूर, मोटे से पतले • आकार और रंग मिलान बोर्ड • संख्या और मात्रा कार्ड • स्पर्श बोर्ड
शिल्प एवं कला कोना	• क्रेयॉन • A4 साइज़ का पेपर • पेंट ब्रश • पेंट • स्लेट और चॉक • गोंद और बच्चों के अनुकूल कैंची	• गीली मिट्टी • पत्तियाँ, फूल, कंकड़, लकड़ियाँ • कार्डबोर्ड • पुरानी तस्वीरें • धागा • माचिस

एक आंगनवाड़ी केंद्र में सीखने के कोने

सीखने के कोनों को खेल सामग्री से परिपूर्ण करना – पी.एस.ई. किट और स्थानीय रूप से उपलब्ध/बनाई गई सामग्री का उपयोग

कोने	पी.एस.ई. किट	स्थानीय रूप से उपलब्ध/बनाई गई सामग्री
किताब का कोना	• एन.बी.टी. द्वारा प्रकाशित 6 कहानी पुस्तकें - मोत्तैनाई दादिमा, पशु-पक्षी, हम हिंदुस्तानी, मुनिया रानी, बाजार की सैर, लीला और शीला • वर्णमाला चार्ट	• पुरानी तस्वीरों का इस्तेमाल करके बनाई गई बड़ी किताबें • बच्चों द्वारा बनाई गई कहानियाँ
नाटक का कोना	• बागवानी सेट • पशु सेट • डॉक्टर सेट • फल सेट • दर्पण	• पुराना दुपट्टा • पुराना चश्मा • पुरानी बोतलें और डिब्बे • मुखौटा • छड़ी वाली कठपुतलियाँ (स्टिक पपेट) • कंघी

धन्यवाद !!